कैंसर की दवाएँ टिस्लेलिजुमैब और ज़ानुब्रुटिनिब

स्रोत: द हिंदू

भारत को **टिस्लेलिजुमैब (Tislelizumab) और ज़ानुब्रुटिनिब (Zanubrutinib)** नाम की दो नई कैंसर दवाएँ प्राप्त होने वाली हैं।

- टिस्लेलिजुमैब, एक नई इम्यूनोथेरेपी दवा, उन्नत **एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा** (कैंसर जो अन्नप्रणाली के अंदर की पतली, सपाट कोशिकाओं में बनता है) के इलाज में प्रभावशीलता दिखा रही है।
- ज़ानुब्रुटिनिब नामक दवा **ब्रूटन टायरोसिन कीनेज़ (Bruton's Tyrosine Kinase- BTK)** नामक प्रोटीन को नियंत्रित करती है, जो कुछ कैंसरग्रस्त रक्त कोशिकाओं के विकास और अस्तित्व के लिये आवश्यक है।
  - इसे विशिष्ट प्रकार के **रक्त कैंसर** के उपचार के लिये अनुमोदित किया गया है।
- यह कैंसर रोगों के एक समूह को संदर्भित करता है जो **शरीर में असामान्य कोशिकाओं के अनियंत्रित प्रसार** से होता है, जो **स्वस्थ ऊतकों और अंगों में नुकसान पहुँचा** सकते हैं।
- वर्ष 2019 में **भारत में 1.2 मिलियन कैंसर के नए मामले** और लगभग 930,000 मौतें हुईं, जिससे यह **उस वर्ष एशिया में इस बीमारी में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्त्ता** बन गया।
  - भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में कैंसर के मामले वर्ष 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है।

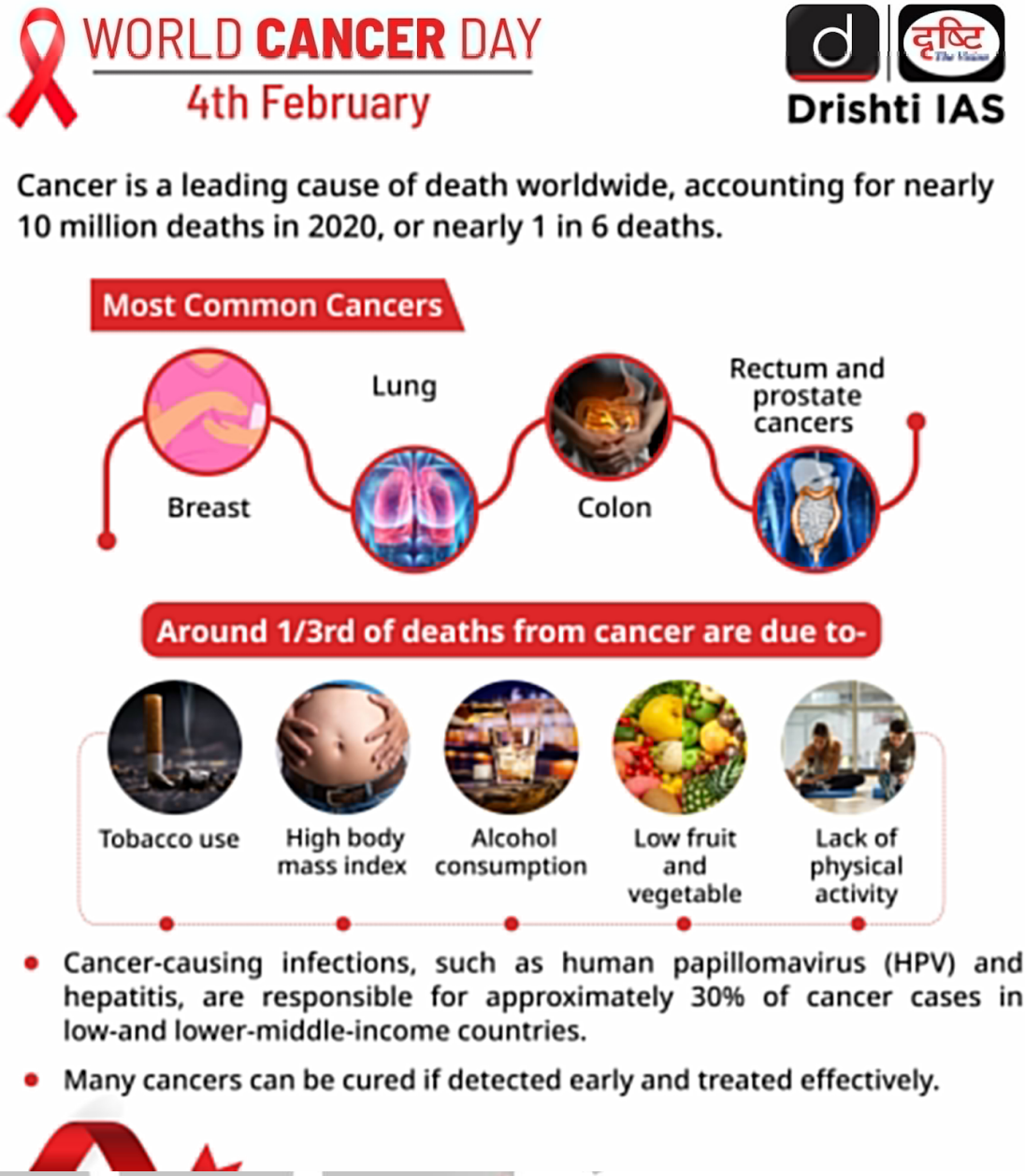

//

और पढ़ें: [कैंसर का वैश्विक प्रभाव: WHO।]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cancer-drugs-tislelizumab-and-zanubrutinib